मेट्रो-11 का काम अब MMRC के पास

■ वरिष्ठ संवाददाता, मुंबई

वडाला से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) के बीच बनने वाली मेट्रो-11 कॉरिडोर का काम अब मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एमएमआरसी) करेगा। अब तक मेट्रो की इस प्रस्तावित लाइन का निर्माण का जिम्मा मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) के पास था।

12 किमी लंबे कॉरिडोर में से करीब 70 फीसदी मार्ग भूमिगत होने की वजह से सरकार ने मेट्रो-11 तैयार करने का काम एमएमआरसी को सौंप दिया है। एमएमआरडीए के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, प्रॉजेक्ट से जुड़े सभी दस्तावेज जल्द ही एमएमआरसी को सौंप दिए जाएंगे। एमएमआरसी कोलाबा-बांद्रा-सिप्ज के बीच 33.5 किमी भूमिगत मेट्रो मार्ग तैयार कर चुका है।

मेट्रो-3 के पूरे रूट पर टनल तैयार करने का काम 100 फीसदी तक पूरा हो चुका है। एमएमआरसी दिसंबर 2023 से सिप्ज से बीकेसी और 2024 तक पूरे रूट पर सेवा शुरू करने के लक्ष्य के साथ तेजी से काम कर रहा है। मौजूदा समय में भूमिगत मार्ग पर मेट्रो का ट्रायल रन चल रहा है। भूमिगत मार्ग बनाने के अनुभव को देखते हुए सरकार ने एमएमआरसी को यह काम सौंपा है।

इसलिए हुई काम में देरी

मेट्रो-11 कॉरिडोर मुंबई पोर्ट ट्रस्ट की जमीन से गुजरने वाला है। जमीन की अहमियत को देखते हुए कॉरिडोर के 70 फीसदी मार्ग को भूमिगत तैयार करने का निर्णय लिया है। मेट्रो-11 कॉरिडोर के निर्माण को राज्य सरकार की तरफ से 2019 में ही मंजूरी मिल गई थी। लेकिन, पोर्ट की तरफ से जमीन प्राप्त नहीं होने की वजह से अब तक इस कॉरिडोर का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है।

जानकारी के अनुसार, 12 किमी लंबा कॉरिडोर पहले पूरी तरह से एलिवेटेड बनने वाला था, लेकिन जमीन हासिल करने में आ रही दिक्कत के बाद 70 फीसदी मार्ग भूमिगत तैयार करने का निर्णय लिया गया है।

इस मार्ग में से वडाला से शिवडी तक का करीब 4 किमी मार्ग एलिवेटेड और शिवडी से सीएसएमटी तक का 8 किमी मार्ग भूमिगत होगा। मेट्रो-11 कॉरिडोर वडाला-कासरवडवली के बीच बने रहे मेट्रो-4 कॉरिडोर का विस्तृत मार्ग है।